THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.
MBB—1972—70—29

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

IASTR

MICROFILM PROJECT NEB 11

MBR- 1972- 70

1. Film strip number

1?

2. Source

UPASAMPADAVIDHI

3. Title

4. Additional title, shortened forms of title etc.

N.S. 4 880 = A.D

5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of scribe

NEPALI PAPER

7. Material (Palm leaf, etc.)

ANCIENT NEWARI

8. Script

20 cm x 9 cm

9. Size

5

10. Lines to a page

65

11. Number of leaves in complete work

1,2,8,22,23,45-58.

12. Missing leaves

x

13. Author and Date of composition (if given)

x

14. Number of Chapters

Rules and decisions for monks.

15. Remarks

Nov. 13, 1972

Date Photographed

त्र कास्मक क्व रिश्च ॥ ३ ॥ उपार्यं यावत्॥ स्वयमनंग्रिचौवमधिष्ठापयत्॥ पात्रं वायदल्यमानमधिकीपात्र
त्रि मिस्त्॥ स पात्र मित्यनवंवक्रीर्यत्॥ ३ स वं॥ जूपकमिगपरेत्या ॥ थनता व ॥ स्तकमूमांकाभ
फावध स्थ स्तनमनन्दयत्यस॥ मूमूत्व मिमिवसस्य॥ ध्यात्॥ मिष्ठभाढोद्द ग जूगामिष्य
मीयननूक्षास्तमनव्ठिह्नमित्तीघात्मप त्रिभूत्रित्रिर्त्वापिभागाक्षि त्विपूर्गमन्नं क्षूग॥ तव
त्यविहाघ्वमीमिसह्वप्रसूष्ठ॥ उपतन्यदं फम्मकावकासूवयत्॥ ह्ल्याघ्विवासघमाकचोचिर्क
पष्ठ्ग॥ ७ पत्तम्यदमपनयत्॥ क्षायोवदयमानकवभिगो॥ भार्कौ नावकुवैक्ष लनेगत्ता धू॥ पूनुषत्व

नुस्यान्नथ्यवत्तावश्याप्तुगावागींतपूर्वान्मादिकै॥ समयंद्व। यच्छेग॥ दग॥ किमायोमिकावर्षिकास्तगवार्षिकी
दीर्घयार्षिकोहति॥ जानुन्मातिकोपृथ्वी॥ मासश्वयश्व॥ नमोः गावापृश्व॥ नद्धनमन्यामातप्रयं॥
निश्चयानावाचयक।यगानेयावर्गानं। श्री मगकवर्णाश्व॥ तैमुनेत्तासम्यक्यासाप्रयितगत्याङ्गा
य सीलसामान्यगगेगावागतानपूर्ण गा॥ यायित्रिकृतसम्यक्प्रगिविम्बने॥ विनीगसखामगाः ३
यीवयाङ नाविश्वाने॥ तैयन्मामानमोम नोल्यागसमालपनिह्लनत्साचक्रीग॥ जादय नियुक्ति
गुधसायायारवीनद्वतन्यादने॥ उदमन्यदाविधिश॥ २ ॥ नानवलोष्कनिग्रयीनित्रिगठकवसीयंक्रयाग॥

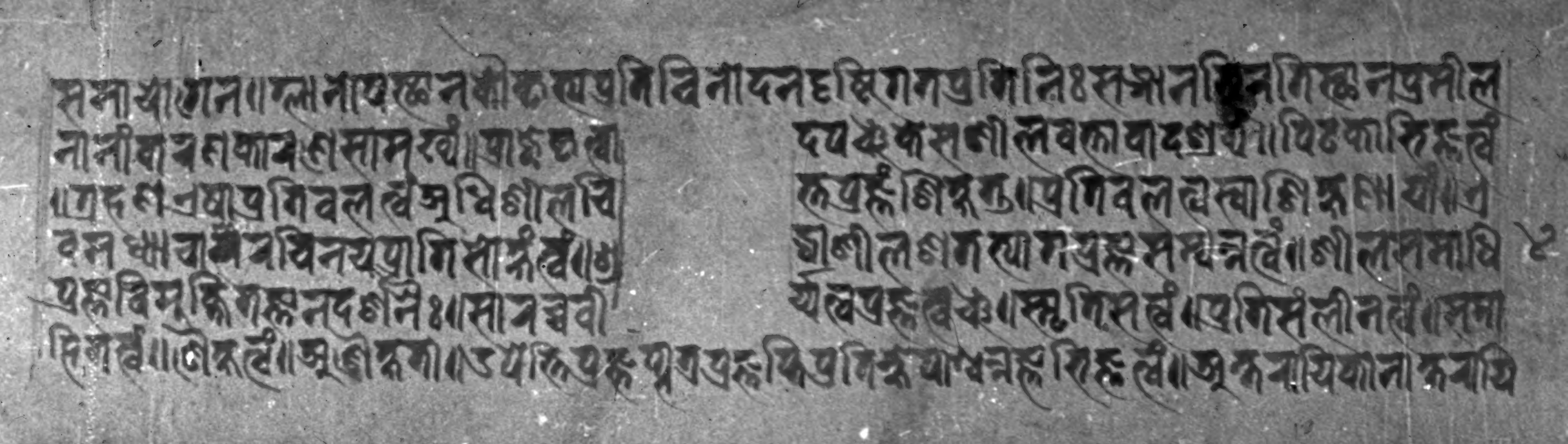

२५२ ५२

धदन्नापाविसं कम्मेहामसंघाकम्मयाक्ने ॥ उपा आयाद्वीवनं ॥ कन्हूसंवकम्मी दानस्यापनिपूकस्य:
पखदूगवषीसीनिप्रवज्याभूयराक्नानं पूर्छनू ॥ नो न समजंका कानयेन समखंबास
फवषंषब्राभूयेषूठा ॥ नेकगडुईंत्रम ओदमेमूपस्छपयग ॥ अनूविल्थदनेकध्यं
प्रवज्यापाप्रलेवुक्कातिविकमूयसं पादयग ॥ उनेरथ्यदन्यस्यामूपनिप्रिल्पथम
र्यीयग ॥ नासोगमाछ्निआन ॥ उयसंपा यदप्रपयूभावलादादाय ॥ कद्यास४ ॥ वुमिल
कस्यावितूकिंछिद्दयपसलोसावरूहेनन्वा ॥ जीवकायिमकमनत्रस्मागमोम्वाम द्वनदगंप्रव्रज्या

ह्म नासका ८ षदम्ह कनना साध्वत्र कना माउ नासका ८ दस्तिजा माउ ध्वजा नाताम ध्याम व ठ्ठा न का ८ षव म्ह क
न याउ ध्वत्र क गा पञ्जुजा का ८॥ दस्ति दन्का ८ ऊ ध्व दन्का ताम धम कं ... दन्क का ८॥ थि व म्ह कव द न्का ८
ध्वत्र क द न्का ऊ दन्क का ८ ऊ मि ग्री वाऊ ८ ग्री वा ध्व म्ह न्वा ... ऊ मि कू ऊ का ८ ताक ता ह्रि ला वा ना ...
त्र क्रा ह्म ऊ य नु ... का ८ ऊ मि घी घी ऊ मि ज स्वा ध्वु ह्म भ ... मि वि ता मिन ८ व ठु रि ध्व ह्म वि वम्ह
८ षवा। वि कं ... का स्त थ त्र वं विधा नासयि गं ... मि ... यं प्र धा न य ग॥ न जा मि का य ह्म ... प्र ...
ग म्ह य स्त यथं वा यं ... न कास्ते काया ... यस्य ... न व व भा य सं या द न मा त्र या ग॥ ... जा वु म्ह स्य
समय यानीयवस्व वं मामी वीका व भस्या॥ संस्ता ... या थ मीन ... ह्ला इ ... म व ध्व क ८ या ... न धा व यग॥ ... न

निर्मोदनं॥यिहुयानिक ॐप्रावकस्यचासप्रयाजनंथ गा॥यविस्रावनस्याथि॥मायिचस्रुष्वश्चस्ताश्चंचदरिनूवि·

र्णंनिवसतस्यवश्च॥विषमापीयवगागरिश्च॥ प्रन्नीमस्यरास्मेपरिनमनं॥असतचपामस्यापदलनं॥वव

गवस्यायनागतं॥मापाङ्कसीसर्द्धवस्याग॥ उदकस्थनकायवनं॥फानावावनं॥तुकोमाप्रादिनिर्मोदनं

॥स्नायनमस्य॥चेस्यारिचन्दनायामाषाद्रका दकायूयनयश्च॥यादप्रशालनगगा॥स्वस्थनं॥नयनास्तनपक्व १७

पनं॥प्रभिनिवसनाप्यनं॥निवसनग्रहनं॥ पीपादकाखिस्यनकठिहर्षवनासनं॥नयानस्याश्वनं॥ज्रूसः

भगसृखानकावकखनगृहीतसम्भाकेनीर्णं हस्रान्याम्भूर्कक्रयाग॥गृहीतस्तचीफश्चस्तम्भर्तीवनस्तवक

स्वनं॥कल्यकीकवश्चा॥ल्यसदिमापादनपुष्पकस्नाश्चयदकमाश्चायसीतायाल्यपिश्चवैमला॥क्ष्णा॥मूकडकाकादमनास्य

क्षेयाम॥ गमनाय पुत्रयार्थ रत कुर्याम॥ अन्नानामि यक्षथः स्याम॥ नयनः यम्भूस्थम नाग स्थग॥ नग्निष्टु
म॥ उ क्राष्ठयाँ मयाद यक्षा॥ नान्को वा थेमस॰ र्वयाद थेमो॥ अर्ध भ्मीसाघर्ने प्रमि वदगो॥ धर्म्म मत्र
भोयम॥ उन्यानं धामिकं ता रत्यु मिय क्षेग अनुध्यम॥ फ्रो स्त स्याद लत नू गोऽस्तव स्थिग ४॥ उक क्रि
यावक्षः॥ धर्म्माग्नु सिर्याः क थं कुर्याम॥ दानं दुम संयम वज्रा व र्यवा भो पावधं ठ व हामनः
मिज्ञाय यदग्रसनेष्ठ नानियजाग॥ सर्व जायाद्विसमवद्र गे य स्थ नस्तु गठ्युतिय घग॥ ननामि
श्राद्धगः उद्धि स्याग गयूर्व द्विया यै तायफि ठाम स्याम॥ उत्लनम खवक्ष स्मिनयूर्वी गभा विठगु
स्थकृति॥ गृहि वध स्याम लक्षक थं भुर्याम॥ अन्नाध स्थ स्याद गोमा मिक॥ सं वऊ नीयंय थाभाक्रियवरुय।

नमाप्र स्या स्या म त्वी॥ननद्र॥नमः क॥नाम त्रस्यगमिकि॥ना वाधि म त्वी॥र्नन द सि॥ननदः सं रु या॥शि कीयुत्वा
वाक्लि वृद्ध धर्म्म सीर्व सर्ग॥विनयमारु का स्या यार्य मूया ध्याय मा॥विकीमा ध्रावुय त्रम ए॥म्हि गी॥ष्ट
मु कीय गुर्क शि कु नीपुव की स्रीय सीवा सिवीः नानास म्बा सिकम सीवा सिवी मी द्वि वीति थि का वक्राः
न्ककी मार द्र याम कीयिद्र या मक मब्र द्र यामः की सीघ [illegible] कीम थाग म स्या न्हि का द्वु द्वि वव धि या याद
कम त भयु या द्वि खी॥सख म्रु या वि शि ःसा ष्ट म वा सनवा सी हा रा न वमित्र स्व स्वा न ववजानी॥ख २०
स्या स्या न वि धि॥ ॥पुवि सु स्य ल मि द्र मी॥ख ला वि क व ण स॥त्र वि का यि म॥म ख व वी मा ह
वा॥विकाधि म बू स्कु ती॥अप्र मिव त्र त्वक्र सः॥सूक्र स म म त्र स्य श॥मिक त्व यी स य छु व त स व न स स्य मान्का न

न्यावयगाऽवधिवाविकस्यास्यदयद्वीमधगनयश्चाडिगुर्वीगावना यानयदशनी॥ श्रुन्नम्म कु यामिनधर्मिनच
विकायामूर्यनिववनी॥ नानन्त्यस्लनासृनन्नः पकेयर्श्च यावपु॥ श्रूदमपानयावाडायवविकरमी॥ नर्द
यविग्रदमनवल्लणाऽन्यानकल्यनन्वीप्रयाप्र नन्वीहर्मुविभावयपु॥ पावपनेधुर्म्मदशनया॥ ऽयवे
मूल्यनव॥ यूकीयापवावनस्यम्कूडनायिग दली॥ नमीनीक्रवनायाडक्रू मचमिगमम्नाऽ न पुण्यः
मद्वभविगिष्ठपु॥ नामन्नमाविष्ठिगलबव ड्यपावानियग्रम्ननंपुद्गवास्यागमम्नली॥ मिच्चमूर्वर्गानिवम्न
यापविकानेयार्ते म्नत्रस्टपि॥ नाकुगाकू म्ना यापु॥ नस्वयोम्व, शुक्लनयभाववपिणमननमश्ववम्नम
हारदाचादपा॥ अन्यम्ट्यीयधास्लवयावली॥ श्वनम सुवामोस्तम्बस्नुनायविधियमामस्य्यागि मा॰मनमसुमन्ता॥ म

जाग॥ना व स्क मात्र प्रयाग त्वॊ॥न द्व न्त्वॊ नि षु या ग म यां मू क्ते स्वा द न॥न या दो म र्द य वि म र्दा तां वा क जा म स्या॥क र्म:
स्य स्या स्यय वि मा स्ल॥रो य ध्क न मा व न॥य व मी या व॥भा व न यू ष्ठ॥वि नि को नो धो वि घा ट्टि ति का स्थिं र्ग
क नि क या: भि व ध्क स्क ना सा म ग्री वा न्क व या श्विय षु क्रा ग व नि ष्य वा ला न्क व द स्कं स वा क षु वा क
क व क द्य व या द ॐ घा मू ज या न्क न व मा व न मो व॥स्क लं का व व न म वि नि का वि ध्क य ध्या न क म:
स्क यी० वू मि यी थ्य र त्य व घ ट घा ट्टि का घ ट वि न क व की नां क थि न्क क ठि ला लु य न या न्क वा क न सा
स य भि य॥व्रि श॥वी ज न॥नी यि न न स्त्री क्ष्ण न स्या व ष्क॥स्र य स्या न त्र भि क्रि को॥उ य स क्रा म न ग मू क्तो
॥सं क्रा म न ग ध्व स्य ना न स्म नां॥ज्र या नि भ ध्व म न ठि क र्व ग॥ज्र मं गा गं ध्य व य न॥जि ना या लु व स्कि स द र्ष न्मा:॥य वि

षा यान्क वप्र गिष्ठनवाक्षनम्॥ आ॥ ज्ञूनथमतागीयानाधैंस्नतंचा वसेषा॥ सू नम सवनो नेनूधैंसना॥ ज न्वह्र सव
नामः॥ मथागजस्याम्किवादुस्कविरुनथिया याय नसंधारदवा॥ संसूवनिसन्वाप साषिगमि स्यादि
दूक्कर्णं॥ ज्ञुमुनिकनाशिकयूस्का॥ यनयर्ष दयकु सै सू तं॥ निवानक्षनूयहृप्रागनिःसस्क नेक्ष
नन्याव्वगाणि॥ निवानक्षवन्त्रीक्ष्का॥ त्रकक घ वंवाक्क स्या पृथक्व मावूरुधौंनस्यादू नयूवासनीयवा
दनसान्वक्षस्या॥ स्नूनाक्षूयलंमस्या॥ नैषनाह्र ययययूर्भ रवकनकम्भिक्षवा॥ य फ्रप्रगिनिःसस्क॥ यः
नूत्रन्हुल्वस्यस्नदसंघस्या॥ संघरदसघाव रनवा॥ नम्मासास्यपगियस्नुगाया॥ ज्ञनवरुनसंघावः
स्यषा॥ स्वयवासनाकल्पीविसघा॥ मिस्वा॥ [illegible] नीषास्याजुप [illegible] हिं विगिवस्क ल्वस्यमषा॥ क्षुतसूषघ संघावहषा

ननजातिरिश्चयावगस्कजगास्यसंस्तवनं॥निर्ममयादधन्यारिनूगणमनूष्यसोर्कनूयक्षणाग्रामाणानसीमान्का
नं॥पृथकत्वंक्राश्चानान्मध्यगःयवस्या॥वि प्रवासनेःसज्जिकविराजं॥नायायःखंडुखंडुनादयग
तावधिष्ठानस्य॥नानदिनेःजिवा॥सीपिक वा॥वावस्यजाविप्रवासः॥नान्याधिष्ठानादन्यास्कनलस
नीः॥नान्यदंधर्मिकायः॥स्थितिनाख्यस्यनाप्र यः॥नसाधनहेम्रावकाष्ठकस्य॥नधननादकगतिपिंडपू
त्रयाः॥वर्जितलक्ष्यगण॥संस्कजनस्यव॥ना पिविवानलक्षम्स्यास्वमाविसानस्य॥विप्रवासनेःसः
जिकाप्रस्का॥प्रविप्रसनेःसज्जिकम॥प्रन्कव दमस्यायुनकष्ठ्याशार्यान्यूनमाशमशामस्कोकाल॥
नत्ववाधिष्ठानिकस्या॥पून्यजास्याप्रिंभजालातिकानेको॥पूर्वकतंविजामीयस्यावन्कोदितं॥सर्ववस्कुलंभी

ध्रि २

ध्रिका न ग॥जुव क्व ख्वाय स्ता ग ४ स्तु ष्टि स्यात नया॥ कद्द न नू म खीं॥ ग सें मि नं यं॥ शन्तु म म म्हअ मा व व नं स्ता॥ पुं

व ग न्त्व वांव व नं॥ ख्याक्व या ग्य ल्ह्व म य या ग्म य भोल स्या॥ दू ष्ठु ग स्या का फं॥ मृ स्का म्बी का ना न नू ग ठः

ड्या वि ना गं ल ख्य वि दा न ग व यू वा न गः यं॥ न ग धृ ध ग ज॥ स का स्ता ञ्चि व सा न ता दू य विवनाॢ॥

संक्र मि ध्य ग या म्हु ना पुद्र व रु कृ के वा ख्ख द य गृ॥ ना स मृ ञी ग वि म्रय स्या ध्य स भि नि वूवनदे ख्या ऽ गं

गू॥ अू ना ग मे ख्या ध्दे सा पि क्व ग क्षू ड य नि कि य ते॥ श्रा यष्ठ मा स्त य थं न्वा ह्वा न य गृ॥ ड र्द्व म ना ग मी

य हू भी वू ध सं य या ल्ले वि स्कू श्राय यू क्रि॥ अ या ग्य द्व क्र य र्ण या ग्य ख्य ग न स्क व न स्या॥ ग ख्याव स्वा

ख्य ग स्छ द नू ह न मा या या नि स्छ गद यु ४॥ वृद्धि दद्द ग य द ग द व न व र्झ म व्यास य द स्मा रि ४ यवि या लि ग मि॥